Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा–6,7,8 विषय–हिन्दी

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शिक्षकों के लिए निर्देश

जैसा कि सर्वविदित है कि इस कोरोना महामारी ने मानव समाज को अपूरणीय क्षति पहुँचाई है। वह चाहे जानमाल की क्षति हो या आर्थिक या अन्य क्षति किन्तु सबसे अधिक क्षति हमलोगों को शिक्षा में उठानी पड़ी हैं। इस क्षति को हमलोग शत प्रतिशत पूरा तो नही कर सकते किंतु इसे हमलोग सामूहिक प्रयास से कम , अवश्य कर सकते हैं।

इस संदर्भ में SCERT द्वारा एक प्रयास किया गया है जो CATCH-UP COURSE बनाकर, जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है:–

इस कैलेण्डर की कुछ महत्वपूर्ण बातें हैं जो हम सभी को जानने की आवश्यकता हैं ताकि हम अपने कार्यो एवं दायित्वों का सही तरह से निर्वहन कर सकें:–

मुख्य बातें :–

- पूरे छूटे हुए साल भर के Course का समेकन कर इसे तीन माह (60 कार्य दिवस) में पूरा करने हेतु CATCH-UP COURSE आपके हाथों में है।
- इसमें अधिगम प्रतिफल को आधार बनाकर उनके अनुरूप पाठों का चयन किया गया हैं।
- जो CATCH-UP COURSE आपके हाथों में है उसके अनुरूप हमालोग बच्चों की अधिगम क्षति की पूर्त्ति करने का प्रयास करेंगें जो एक प्रारूप में दिया गया हैं। जो अग्रांकित है।
- अधिगम प्रतिफल की संप्राप्ति हेतु पाठों का चयन एवं उन पाठों को प्रस्तुत करने के सुझावात्मक प्रतिक्रियाएँ भी हैं तथा उस प्रक्रिया को अपनाने के बाद हम बच्चों में क्या परिवर्तन देख सकते हैं यह अधिगम संकेतक के अंतर्गत हैं। संकेतकों के माध्यम से बच्चों ने वह प्रतिफल प्राप्त किया या नहीं यह जाना जा सकता हैं।
- पाठों की संख्या कम की गयी हैं साथ ही इस बात का ध्यान रखा गया है कि सभी विधाओं का समावेश रहे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को गतिविधि करने के लिए बाध्य नहीं करें बल्कि अनुकूल माहौल बनाएं। उदाहरण के लिए कहानी कहकर या 'हम एक खेल खेलते हैं' जैसी गतिविधियों में भाग लेने का भी प्रयास करें।
- उल्लेखित गतिविधियाँ सुझावात्मक है, संसाधनों की उपलब्धता और विद्यार्थियों के पूर्वज्ञान के आधार पर इनमें संशोधन किया जा सकता हैं।
- शिक्षकों द्वारा मौखिक और दृश्य निर्देश दिए जाने चाहिए ताकि सभी बच्चे, विशेषकर विशेष आवश्यकता वाले बच्चे भी बताई गई गतिविधि का पालन करने में सक्षम हों।
- विचारों की अभिव्यक्ति, तार्किक चर्चा और भाषा प्रवीणता के लिए विद्यार्थियों को पर्याप्त अवसर दिए जाने चाहिए। प्रश्न पूछना और छात्र– छात्राओं का सोंचने के लिए प्रोत्साहित करना इस उद्देश्य को प्राप्त करने में सहायकत होगा।

- ई– पाठशाला एवं भारत सरकार के दीक्षा पोर्टल, शिक्षा हाउस दूरदर्शन, उन्नयन, बिहार कैरियर पोर्टल, विद्यावाहिनी, यूट्युब, Sucess CD Education, पर उपलब्ध ई–सामग्री का उपयोग किया जा सकता है।

निदेशक
(गिरिवर दयाल सिंह)
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्,
बिहार, पटना

विषय–हिन्दी

कक्षावार अधिगम कौशल/प्रतिफल

कक्षा–VI to VIII

पाठ का नाम

कक्षा–VI	विभिन्न विघाओं को पढ़कर समझने की क्षमता का विकास, भाषा की बारीकियों यथा– संज्ञा/सर्वनाम को समझकर प्रयोग करने की क्षमता का विकास	हिन्द देश के निवासी, चाँद का कुर्ता, टिपटिपवा, हुआ यूँ कि, ममता की मूर्ति, चिट्ठी आई है
कक्षा–VII	भाषा से संबंधित पत्र–पत्रिकाएँ पढ़ने की रूचि का विकास, विभिन्न संदर्भो में दूसरों द्वारा कही गई बात को अपने लिखने की क्षमता का विकास, विभिन्न संदर्भ में बोलते/लिखते समय वाक्य संरचना का उचित प्रयोग कर पाना	वसंती हवा, रहीम के दोहे, हार की जीत, हॉकी के जादूगर, असली चित्र, डॉ0 भीम राव अम्बेडकर शेरशाह का मकबरा
कक्षा–VIII	शब्दकोश/मानचित्र आदि का प्रयोग, अपने मत की अभिव्यक्ति, सामाजिक/प्राकृतिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया कल्पनाशीलता	पुष्प की अभिलाषा, शक्ति और क्षमा, दानी पेड़, वीर कुँवर सिंह, हुएनसांग की भारत यात्रा, साइकिल की सवारी, ऐसे–ऐसे

शैक्षणिक सत्र 2021—2022 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री।

कक्षा— 06 (कक्षा— 05 के बच्चे जो सत्र 2021—2022 में कक्षा — 06 में पढ़ रहें हैं, उनके लिए 60 कार्यदिवस की सामग्री।)

Class-VI Subject -Hindi

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ लिखित एवं मुद्रित सामग्री को पढ़कर समझ सकेंगे। ✓ पुस्तकालय एवं विभिन्न स्रोतों से अपनी पसन्द की पुस्तकों को पढ़ कर समझ सकेंगे। ✓ अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश में खोज सकेंगे। ✓ अक्षरों को मिलाकर शब्द बना सकेंगे। ✓ चित्र बनाते हैं।	पाठ — 1 हिन्द देश के निवासी पाठ—5 म्यान का रंग	✓ ध्यानपूर्वक सुनते है एवं सहज भाव से बोलते हैं। ✓ सामान्य कविता एवं कहानी को पढ़कर समझते हैं। ✓ कविता का गायन करते हैं एवं कहानियों को हाव—भाव के साथ बोलते हैं। ✓ अक्षर एवं शब्द को समझते हैं। ✓ आसान चित्रों को बनाते हैं।	✓ शिक्षक स्वयं कविता पाठ एवं कहानी का वाचन ऐसी शैली में करेंगें जिससे बच्चे आसानी से समझ सकें। ✓ शिक्षक बच्चों से पढ़ने के लिए कहें। ✓ पठित अंश के बारे में बच्चों से बोलने के लिए कहें। ✓ कठिन शब्दों के अर्थ शब्दकोश में खोजने के लिए कहें तथा सीखायें। ✓ कहीं से पढ़ी हुई चीजों के बारे में बातचीत करें एवं बोलने के लिए कहें। ✓ विद्यालय में उपलब्ध, कहानियों, कविताओं एवं पहेलियों को पढ़ने के लिए प्रेरित करें तथा सामग्री उपलब्ध करायें। ✓ चित्र बनाने का अभ्यास करायें। ✓ अक्षरों के समूह में से अक्षर को मिलाकर शब्द बनाने के लिए कहेंगे एवं सबसे अधिक शब्द बनाने वाले को शाबाशी दें।	12

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ सुनी हुई या पढ़ी गई घटनाओं एवं कहानियों के बारे में बातचीत कर प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ कहानियों को नाटकीय शैली में बता सकते हैं। ✓ पात्रों / घटनाओं, शीर्षकों आदि के बारे में क्या, कब और कैसे से सम्बन्धित प्रश्न पूछ सकेंगें। ✓ शब्दों के अर्थ शब्दकोश में खोजने की क्षमता विकसित होगी। ✓ मुहावरे के अर्थ एवं उपयोग को समझ सकेंगे। ✓ शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे।	पाठ–2 टिपटिपवा पाठ–6 उपकार का बदला	✓ ध्यान पूर्वक सुनते हैं एवं सहज भाव से बोलते हैं। ✓ नाटकीय शैली में कहानी पढ़ते हैं एवं कहते हैं। ✓ प्रश्न पूछते हैं एवं जवाब देते हैं। ✓ पात्रों के बारे में भी अपनी प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों को हल करते हैं। ✓ मुहावरों का अर्थ समझते हैं एवं वाक्यों में प्रयोग करते हैं। ✓ शब्दों से वाक्य बनाते हैं।	✓ शिक्षक स्वयं हाव–भाव के साथ कहानी को सुनाएंगें तथा बच्चों में कहानी पढ़ने की रूचि पैदा करें। ✓ कहानी को अपनी भाषा में बोलने के लिए कहें। ✓ पाठ में आए मुहावरों के बारे में अलग से बातचीत करें तथा वाक्यों में उपयोग करने के लिए प्रेरित करें। ✓ इन गतिविधियों को प्रत्येक बच्चों के साथ करायें। ✓ पाठ से सम्बन्धित प्रश्न का लिखित एवं मौखिक रूप से समाधान करायें। ✓ पाठ में आए शब्दों के लिंग के सम्बन्ध में बातचीत करेंगे तथा स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग शब्दों की समझ बनायें।	12

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ सुनने की क्षमता का विकास होगा। ✓ पढ़ने की क्षमता का विकास होगा। ✓ नाटक का सार ग्रहण कर बोलने में सक्षम हो सकेंगे। ✓ साहित्यिक विधा 'संस्मरण' की समझ बनेगी। ✓ नाटक को भी बच्चे समझ सकेगे। ✓ पाठ से सम्बन्धित व्याकरण जैसे– शब्द समूहों में से सही शब्द को चुनना, खाली स्थानों में शब्दों को भरना सीख सकेंगे।	पाठ–3 हुआ यूँ कि पाठ–19 अँधर नगरी	✓ सुनते है एवं सहज भाव से बोलते हैं। ✓ समझकर पढ़ते हैं। ✓ पात्रों के बारे में बातचीत करते हैं एवं अपनी प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ पात्रों के बीच हुए संवाद को अभिनय शैली में बोलते हैं। ✓ सामान्य व्याकरण, वर्ण, शब्द, वाक्य इत्यादि को समझते हैं। ✓ सामान्य व्याकरण का उपयोग करते हैं।	✓ सभी बच्चे को इस संस्मरण को पढ़ने के लिए कहें। ✓ इस संबंध में क्या समझ बनी इस पर बातचीत करें। ✓ अपने जीवन में घटने वाली किसी खास घटना के बारे में बोलने के लिए कहें। ✓ नाटक के बारे में बोलने के लिए कहें। ✓ 'संस्मरण एवं नाटक' साहित्यिक विधा के बारे में समझ बनायें। ✓ नाटक में आए संवाद को नाटकीय शैली में बोलने के लिए प्रेरित करें। ✓ पाठ से सम्बन्धित व्याकरण का अभ्यास करायें जैसे– सही शब्दों की पहचानकर खाली स्थानों में शब्दों को भरना। ✓ अब तक सीखे गए व्याकरण की संक्षिप्त पुनरावृति करायें। ✓ नाटक या कहानी से सम्बन्धित रोल प्ले करायें।	5

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ सुनी हुई एवं पढ़ी गई रचनाओं, कविताओं के बारे में बातचीत करने एवं प्रतिक्रिया देने की क्षमता का विकास होगा। ✓ कविता को हाव–भाव के साथ पढ़ने एवं बोलने की क्षमता का विकास होगा। ✓ लय के साथ कविता का गायन कर पायेंगे। ✓ वाक्यों को शुद्ध करना सीख लेंगे। ✓ संज्ञा, सर्वनाम एवं क्रिया की समझ विकसित होगी।	पाठ–4 चाँद का कुर्ता पाठ–13 कदम्ब का पेड़	✓ बच्चे ध्यानपूर्वक सुनते हैं एवं सहज भाव से बोलते हैं। ✓ कविता के आधार पर बातचीत करते हैं। ✓ बच्चे, लयपूर्ण कविता एवं गीतों को सुनते हैं। ✓ बच्चे लयपूर्ण वाचन करते हैं तथा अपने पसन्द के गीतों को सुनाते हैं। ✓ सामान्य व्याकरण की जानकारी रखते हैं।	✓ प्रारम्भिक बातचीत के बाद शिक्षक स्वयं वाचन करेंगें एवं बच्चे दुहरायेंगें। ✓ बच्चों से कविता को पढ़ने के लिए कहें। ✓ कविता के सम्बन्ध में बातचीत करेंगे एवं उनसे आपस में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें। ✓ पुनः शिक्षक हाव भाव के साथ, लयपूर्ण कविता का गायन करें एवं बच्चों को ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। ✓ बारी–बारी से सभी बच्चों को उनकी अपनी भाषा में कविता के बारे में बोलने के लिए कहें। ✓ पाठ से सम्बन्धित व्याकरण अर्थात् संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण पर चर्चा करें। तथा अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कराने का प्रयास करें। ✓ इन गतिविधियों के अलावे शिक्षक कुछ ऐसी गतिविधियाँ भी करायें जिससे बच्चे पाठ से सम्बन्धित प्रतिफल प्राप्त कर लें।	10

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ महापुरूषों के बारे में जानने की उत्सुकता बढ़ेगी। ✓ महापुरूषों के बारे में बोलने में सक्षम होंगे। ✓ बच्चों में संवेदना का विकास होगा तथा मूल्यों को समझ सकेंगे। ✓ सामान्य व्याकरण का ज्ञान होगा। जैसे– विरामचिन्ह से सम्बन्धित। ✓ सृजनशीलता का विकास होगा	पाठ–9 ममता की मूर्ति	✓ किसी के बारे में भी अपनी समझ से बोलते हैं। ✓ अपने गाँव में रहने वाले लोगों में से अच्छे व्यक्तियों की पहचान करते हैं। ✓ दूसरे को सहयोग करने की प्रवृति का विकास होता है। ✓ कठिन शब्दों को लिखने का भी अभ्यास है।	✓ बच्चों से इस कहानी को पढ़ने के लिए कहेंगे। ✓ इस कहानी के बारे में अपना विचार व्यक्त करने के लिए कहें। ✓ वैसी घटना का वर्णन करने के लिए कहें जिसमें आपने किसी की मदद की हों। ✓ 'जीवनी' विधा के बारे में भी बतायें। ✓ संक्षिप्त रूप से अबतक आए सभी विधाओं जैसे– कविता, कहानी, जीवनी, नाटक, संस्मरण इत्यादि पर बातचीत करें। ✓ अपने जीवन से सम्बन्धित घटनाओं को लिखने के लिए कहें। ✓ 'खेल के दौरान आपके साथी को चोट लग गयी हो' तो आप क्या करेंगे। इस पर भी बातचीत करें।	5
✓ बच्चों में सुनने, बोलने, पढ़ने, लिखने की क्षमता का विकास होगा। ✓ बच्चों में अपने विचारों की अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास होगा। ✓ उनमें लेखन कौशल का भी विकास होगा। ✓ बच्चों में कल्पनाशीलता का विकास होगा। ✓ बच्चे पत्र लिखना सीख लेंगे। ✓ आत्मकथा की समझ पैदा होगी।	पाठ–11 एक पत्र की आत्मकथा पाठ–15 चिट्ठी आई है।	✓ बच्चे स्तरीय चीजों को समझकर पढ़ाते हैं। ✓ थोड़ा बहुत आवेदन पत्र की समझ है। ✓ उनमें सृजनशीलता एवं कल्पनाशीलता के गुण हैं। ✓ बच्चे अपनी क्षमता के अनुसार लिखना भी जानते हैं। ✓ बच्चे अपने बारे में भी बोलते हैं।	✓ शिक्षक इस पाठ को पढ़ने के लिए बच्चों से कहें। ✓ बच्चों से बातचीत करके यह जानने की कोशिश करें कि जब उन्हें अपने पिताजी से कुछ माँगना होता है तो क्या करते हैं। ✓ कुछ माँगने के पीछे कारण क्या होता है इसको आप कैसे बोलते हैं। ✓ बच्चों से इन सब चीजों को लिखकर बताने के लिए प्रेरित करें। ✓ बच्चों को अपने बारे में बोलने के लिए प्रेरित करें। ✓ बातचीत करके साहित्यिक विधाओं की थोड़ी बहुत समझ बनायें। ✓ शिक्षक स्वयं ऐसी गतिविधियाँ करायें जिससे प्रतिफल की प्राप्ति हो सके।	6

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ सुनने बोलने, पढ़ने लिखने की क्षमता के विकास के साथ–साथ साहित्यिक विधाओं को समझ सकेंगे। ✓ विभिन्न विषयों से सम्बन्धित शब्दावली को समझेंगें। ✓ सृजनशीलता, कल्पनाशीलता का विकास होगा। ✓ विलोम शब्द को समझेंगे।	पाठ–14 दोहे	✓ बच्चे स्तरीय चीजों के ध्यानपूर्वक सुनते हैं, सहज भाव से बोलते है, समझकर पढ़ते हैं तथा समझकर लिखते हैं। ✓ बच्चों को कविता, कहानी, नाटक की समझ है। ✓ बच्चों में सोचने की शक्ति हैं। ✓ बच्चे सामान्य व्याकरण को समझते हैं। ✓ बच्चे विधाओं के अनुरूप पढ़ने की कोशिश करते हैं।	✓ शिक्षक स्वयं दोहे को पढ़ेंगे एवं बच्चों से दुहराने के लिए कहें। ✓ पुनः बच्चों को पढ़ने के लिए कहें। ✓ बारी–बारी से एक दोहे के बारे में बातचीत करें। ✓ पठन शैली में अन्तर होने के कारण विभिन्न विधाओं के पठन कौशल पर बातचीत करें। ✓ दूसरे विषयों से सम्बन्धित शब्दावली पर चर्चा करते हुए इनका अर्थ समझाने का प्रयास करें। ✓ शिक्षक शब्द एवं उसके विलोम शब्द के बारे में बातचीत करें एवं अभ्यास करायें।	10

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा–7 विषय–हिन्दी

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री।

कक्षा– 07 (कक्षा– 06 के बच्चे जो सत्र 2021–2022 में कक्षा – 07 में पढ़ रहें हैं, उनके लिए 60 कार्यदिवस की सामग्री।)

Class-VII Subject- Hindi

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ बच्चे पाठ के आधार पर बातचीत करते हैं एवं मौखिक/लिखित प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ बच्चे प्रश्न पूछते हैं एवं पूछे गए प्रश्नों का जवाब देते हैं। ✓ भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए लिखते हैं। ✓ घटनाओं/पात्रों के विषय में राय देते हैं। ✓ सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी विषय वस्तु का अनुमान लगाते हैं।	पाठ–2 असली चित्र (कहानी)	✓ सहज भाव से प्रतिक्रिया देना। ✓ कहानी सुनाना। ✓ प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों का जवाब देना। ✓ पाठ के व्याकरणिक इकाइयों जैसे संज्ञा, मुहावरा, विपरीतार्थक शब्द वाक्य निर्माण इत्यादि की पहचान/प्रयोग करना। ✓ श्रुत लेखन का अभ्यास करना। ✓ विभिन्न संदर्भों में अपने ढंग से लिखना। ✓ घटनाओं/पात्रों के विषय में राय देना।	✓ बच्चों को बोलने के पर्याप्त अवसर हों। ✓ 'असली चित्र' कहानी को हाव–भाव के साथ बच्चों को सुनने–सुनाने के अवसर हों। ✓ तेनालीराम, बीरबल और गोनू झा के प्रचलित किस्से सुनाने के अवसर हों। ✓ पाठ का सस्वर वाचन करने के अवसर हों। ✓ पाठ को बच्चों के निजी अनुभव से जोड़ना, जैसे– चित्रकार की जगह आप होते तो क्या करते? ✓ कहानी के आधार पर बातचीत करने के अवसर हो, जैसे– यह कहानी आपको कैसी लगी? ✓ पाठ के अभ्यास के प्रश्नों को हल करने के अवसर हों, जैसे– रिक्त स्थानों को भरें। ✓ पाठ के व्याकरणिक इकाइयों जैसे– संज्ञा, मुहावरा, विपरीतार्थक शब्द, वाक्य निर्माण करने के अवसर हों। ✓ कहानी को एकांकी के रूप में लिखने के अवसर हों।	8

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ स्थानीय घटनाओं पर बातचीत करते हैं एवं मौखिक/लिखित प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ समझते हुए पढ़ते हैं। ✓ पाठ के आधार पर प्रश्न पूछते हैं एवं पूछे गए प्रश्नों का जवाब देते हैं। ✓ पाठ के व्याकरणिक इकाइयों को पहचानते हैं एवं प्रयोग करते हैं। ✓ संस्मरण लिखते हैं। ✓ रेडियो, टी–वी, अखबार, इंटरनेट आदि में देखी सुनी खबरों घटनाओं आदि के बारे में बातचीत करते हैं।	पाठ–4 हॉकी के जादूगर (मेजर ध्यानचंद)	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से बोलना। ✓ समझते हुए पढ़ना। ✓ पाठ के आधार पर प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों के जवाब देना। ✓ बातचीत करना एवं अपनी प्रतिक्रिया देना। ✓ पाठ के व्याकरणिक इकाइयों जैसे– संज्ञा, सर्वनाम एवं उसके भेद, क्रिया, वाक्य संरचना, को पहचानना एवं प्रयोग करना। ✓ संस्मरण समझना एवं लिखना।	✓ बच्चों को बोलने के पर्याप्त अवसर हों। ✓ हॉकी का जादूगर मेजर ध्यानचंद के बारे में बच्चों को बताएँ। ✓ पाठ के वाचन के अवसर हों। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करने के अवसर हों, जैसे– खेलते समय नोंक झोंक क्यों हो जाती है? ✓ पाठ के अभ्यास के प्रश्नों को हल करने के अवसर हों। ✓ पाठ के व्याकरणिक इकाइयों, जैसे– संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, वाक्य संरचना इत्यादि के अभ्यास के अवसर हों। ✓ बच्चों को अपने मित्र के साथ बिताये पलों को अपने शब्द में लिखने का अवसर हों।	9
✓ किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिन्दु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं। ✓ बच्चे कहानी सुनाते हैं। ✓ बच्चे प्रश्न पूछते हैं एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देते हैं। ✓ पाठ के व्याकरणिक इकाइयों को पहचानते एवं उपयोग करते हैं।	पाठ–5 हार की जीत (कहानी) सुदर्शन	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से बोलना। ✓ हाव–भाव से कहानी सुनाना। ✓ पाठ के आधार पर प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों का जवाब देना। ✓ पाठ के व्याकरणिक इकाइयों, यथा संज्ञा, विशेषण, मुहावरा इत्यादि का प्रयोग करना। ✓ पाठ के आधार पर चित्र बनाना एवं उनके बारे में लिखना। ✓ कहानी के घटनाक्रम, पात्रों के विषय में राय देना।	✓ बच्चों को बोलने के पर्याप्त अवसर हों। ✓ हाव–भाव के साथ 'हार की जीत' शीर्षक कहानी सुनने–सुनाने के अवसर हों। ✓ बच्चों को कहानी के वाचन करने के अवसर हों। ✓ कहानी के घटनाक्रम/पात्रों के विषय में बातचीत के अवसर हों, जैसे– बाबा भारती के किस व्यवहार से खड़ग सिंह के सोच मे परिवर्तन हुआ? ✓ पाठ के अभ्यास के प्रश्नों को हल करने के अवसर हों। ✓ पाठ के आधार पर अभिनय करने के अवसर हों। ✓ पाठ के व्याकरणिक इकाइयों यथा – संज्ञा, वाक्य निर्माण, विशेषण, मुहावरों के प्रयोग करने के अवसर हो। ✓ पाठ के आधार पर चित्र बनाने के अवसर हों।	8

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ बच्चे पाठ के आधार पर बातचीत करते हैं एवं प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ बच्चे दोहे का सस्वर वाचन करते हैं। ✓ बच्चे दोहे में निहित भाव को बताते हैं। ✓ हिन्दी भाषा में विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़ते हैं।	पाठ–12 रहीम के दोहे (कविता)	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से बोलना। ✓ दोहे का सस्वर वाचन करना। ✓ अंत्याक्षरी करना। ✓ दोहे में निहित भाव को बताना। ✓ समान अर्थ वाले शब्द बनाना।	✓ बच्चों को बोलने के पर्याप्त अवसर हों। ✓ दोहे का सस्वर वाचन करें एवं बच्चों को करने का अवसर दें। ✓ बच्चो को छोटे–छोटे समूह में बाँटकर अंत्याक्षरी करने के अवसर हों। ✓ दोहे के आधार पर बातचीत करने के अवसर हों, जैसे– ऐसे किन्हीं दो अवसरों की चर्चा कीजिए, जब आपने दूसरों के लिए काम किया और आपको उसका लाभ मिला हो। ✓ प्रत्येक दोहे में निहित भाव को बच्चों को लिखने के अवसर हों। ✓ पाठ के अभ्यास के प्रश्नों को हल करवाए जा सकते हैं। ✓ व्याकरणिक इकाई यथा– समान अर्थ वाले शब्द लिखने के अवसर हों। ✓ अन्य कवियों के दोहे को ढूँढ़कर कक्षा में सुनवाए जा सकते हैं। ✓ किसी व्यक्ति को मरे हुए के समान बताया गया हैं? ✓ एक ऐसे दोहे को लिखें जिसमें कार्य धीरे–धीरे होता है, उसका वर्णन हों।	9

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ बच्चे पाठ के आधार पर बातचीत करते हैं एवं प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ डॉ अम्बेडकर से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाओं को बताते हैं। ✓ प्रश्न पूछते हैं एवं पूछे गए प्रश्नों का जवाब देते हैं। ✓ बच्चे विभिन्न संदर्भो में विराम चिह्नों का प्रयोग करते हैं।	पाठ–14 डॉ भीमराव अम्बेडकर (जीवनी)	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से बोलना। ✓ डॉ अम्बेडकर के बारे में बताना। ✓ प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों का जवाब देना। ✓ विभिन्न उद्देश्य के लिए विराम चिह्नों का प्रयोग करना। ✓ संविधान की प्रस्तावना को मौखिक/लिखित रूप में अभिव्यक्त करना। ✓ अपने बारे में लिखना। ✓ जीवनी को समझना एवं अपनी राय देना।	✓ बच्चों को बोलने का पर्याप्त अवसर हो। ✓ डॉ भीमराव अम्बेडकर के योगदान की चर्चा करने के अवसर हों। ✓ पाठ के आधार पर प्रश्न निर्माण करने के अवसर हों। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करने के अवसर हों, जैसे– डॉ अम्बेडकर को भारतीय संविधान का जनक क्यों कहा जाता हैं? ✓ पाठ के अभ्यास के प्रश्नों को हल करने के अवसर हों। ✓ डॉ0 अम्बेडकर के जीवन से जुड़ी महत्त्वपूर्ण घटनाओं एवं कार्यों की सूची बनाने के लिए कहा जा सकता है। ✓ विराम चिह्नों का विभिन्न उद्देश्यों के लिए प्रयोग करने के अवसर हों। ✓ वर्ग पहेली को हल करवाए जा सकते हैं। ✓ भारत के संविधान की प्रस्तावना लिखने एवं कक्षा में प्रदर्शित करने के अवसर हों। ✓ बच्चों को अपने बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखने को कहा जा सकता हैं। ✓ श्रुतलेखन का अभ्यास करवाने का अवसर हों।	9

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ बच्चे बातचीत करते हैं एवं प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ बच्चें हिंदी भाषा में विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़ते हैं। ✓ बच्चे प्रश्न पूछते हैं एवं प्रश्नों का जवाब देते हैं। ✓ बच्चे पढ़ी गई रचना के बारे में अपनी राय देते हैं। ✓ बच्चे भाषा की बारीकियों को समझते हुए लिखते हैं।	पाठ–18 शेरशाह का मकबरा (यात्रा वृतांत)	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से बोलना। ✓ समझते हुए पढ़ना। ✓ प्रश्न पूछना एवं, पूछे गए प्रश्नों का जवाब देना। ✓ पढ़ी गयी रचना के बारे में अपनी राय देना। ✓ विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों को लिखते समय शब्दों,वाक्यों सरंचनाओ मुहावरे आदि का प्रयोग करना। ✓ अपने अनुभवों को लिखना।	✓ बच्चों को बोलने के अवसर हों। ✓ 'शेरशाह का मकबरा' शीर्षक पाठ को बच्चों को पढ़ने के अवसर हों। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करने के अवसर हो, यथा– आपको कहीं का राजा बना दिया जाए तो आप आम जनता के लिए क्या करना चाहेंगे? ✓ पाठ के अभ्यास के प्रश्नों को हल करने के अवसर हों। ✓ पाठ मे से भाषा की व्याकरणिक इकाइयों, यथा– संज्ञा, सर्वनाम, पर्यायवाची शब्द, बेमेल शब्द संबंधी गतिविधियाँ हों। ✓ पाठ में से संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आदि शब्दों को ढुंढ़कर लिखने को कहा जा सकता है। ✓ बच्चों को शेरशाह से संबंधित जानकारियाँ एकत्रित कर एक आलेख तैयार करने के अवसर हों। ✓ ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने के लिए आप क्या सुझाव देना चाहेंगे। एक प्रतिवेदन तैयार करवाया जा सकता है। ✓ अगर किसी यात्रा पर गए है तो उसे अपनी भाषा में लिखें।	8

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ बच्चे बातचीत करते है एवं प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ बच्चे हाव–भाव के साथ कविता का गायन करते हैं। ✓ बच्चे प्रश्न पूछते हैं एवं पूछे गए प्रश्नों का जवाब देते हैं। ✓ स्वतंत्र लेखन करते हैं। ✓ नए शब्दों के अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते हैं।	पाठ–19 वसंती हवा (कविता) केदारनाथ अग्रवाल	✓ हाव–भाव के साथ कविता का गायन करना। ✓ प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों का जवाब देना। ✓ दिए गए विषय वस्तु पर स्वतंत्र लेखन करना। ✓ नए शब्दों के अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करना।	✓ बच्चों को बातचीत करने तथा चर्चा के अवसर हों। ✓ हाव–भाव के साथ कविता का गायन एकल/छोटे समूह में करने के अवसर हों। ✓ बच्चों को बातचीत करने के अवसर हो। जैसे– वसंत ऋतु में आप कैसा अनुभव करते हैं? ✓ वसंत पंचमी/ सरस्वती पूजा पर एक निबंध लिखने के अवसर हों। ✓ पाठ के अभ्यास के प्रश्नों को हल करने के अवसर हों। ✓ नए शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूंढनें के अवसर हों। ✓ वसंत ऋतु से जुड़ी कोई अन्य कविता कक्षा में सुनाने के अवसर हों। ✓ योजक चिन्ह वाले शब्दों के अभ्यास का अवसर हों। ✓ वसंत ऋतु के आने पर प्रकृति में क्या–क्या परिवर्तन होते हैं? चर्चा करें।	9

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा–8 विषय–हिन्दी

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021 -2022 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री

कक्षा 8 (कक्षा 7 के बच्चे जो सत्र 2021 -2022 में कक्षा 8 में पढ़ रहे हैं उनके लिए 60 दिवस की सामग्री)

कक्षा -8 Subject- Hindi

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं। ✓ किसी भी पाठ्य सामग्री को पढ़कर उसकी उपयोगिता को बताना। ✓ कहानी कहने की कला का विकास होता है। ✓ किसी चित्र या दृश्य के देखने के अनुभव को मौखिक, संकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं। ✓ पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के साथ प्रश्न पूछते हैं एवं पूछे गए प्रश्न का जवाब देते है।	पाठ–4 दानी पेड़ (कहानी) पाठ–16 बूढ़ी पृथ्वी का दुःख (कविता)	✓ हाव–भाव से कहानी सुनाना एवं समझाना। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना। ✓ निबंध को समझना एवं लिखना। ✓ कविता में निहित भाव को मौखिक/लिखित रूप में व्यक्त करना। ✓ चित्र बनाना। ✓ संदर्भ के अनुसार लिखना।	✓ हाव–भाव के साथ कहानी सुनने–सुनाने के अवसर हों। ✓ पेड़ पौधे के लाभ एवं संरक्षण के उपाय आदि पर चर्चा एवं समूह कार्य करने के अवसर हों। ✓ कहानी के आधार पर बातचीत करने के अवसर हों। जैसे– पेड़ ने आदमी के बचपन से बुढ़ापे तक की किन–किन जरूरतों को पूरा किया ? ✓ पाठ के अभ्यास एवं व्याकरणिक इकाई को हल करना। ✓ कविता के बच्चों के निजी जीवन से जोड़ना। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करने के अवसर हों। ✓ कविता में निहित भाव को लिखने के अवसर हों। ✓ पेड़ के महत्व पर निबंध लेखन कराया जा सकता है।	5

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ अनुभव की अभिव्यक्ति करने के क्रम में भाषा की बारीकियाँ जैसे– लिंग, वचन आदि पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते हैं। ✓ विभिन्न घटनाओं/पात्रों के बारे में अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ पाठ को पढ़ने के दौरान समझने के लिए शब्दकोश /मानचित्र का प्रयोग करते है।	पाठ–5 वीर कुँवर सिंह (जीवनी) पाठ–18 हुएनत्सांग की भारत यात्रा (यात्रा वृतांत)	✓ घटनाक्रम/पात्रों के विषय में राय देना। ✓ पाठ के आधार पर प्रश्न निर्माण करना एवं पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देना। ✓ पाठ में से व्याकरणिक इकाई कारक के चिह्न पर्यायवाची शब्द को पहचानना एवं प्रयोग करना।	✓ पाठ के आधार पर बातचीत करने के अवसर हो।(वीर कुंवर सिंह, नालंदा, गया)। ✓ पाठ के आधार पर लघु नाटक कराए जा सकते हैं। ✓ बिहार के अन्य सेनानियों/महत्वपूर्ण स्थलों पर निबंध, चित्र प्रतियोगिता, प्रश्नोतरी का निर्माण कराया जा सकता हैं। ✓ पाठ में आए कारक एवं उनके साथ लगने वाले चिह्न का अभ्यास कराया जा सकता हैं। ✓ हुएनत्सांग भारत में जहाँ–जहाँ गए थे उन स्थानों को मानचित्र में चिह्नित करें। ✓ भारत मे आए हुए अन्य चीनी यात्रियों की सूची बनाएँ।	5 5

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ विभिन्न अवसरों, संदर्भों में कही जा रही बातों को अपने ढंग से कहने के लिए कविताओं की पंक्तियों का प्रयोग करते है। ✓ विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय व्याकरणिक इकाइयों की जानकारी प्राप्त करते है। ✓ लयबद्धता, आरोह–अवरोह के साथ गायन करते हैं।	पाठ–3 पुष्प की अभिलाषा (कविता) पाठ–13 शक्ति और क्षमा (कविता)	✓ देश प्रेम से जुड़ी कविताएँ सुनाना। ✓ कविता के आधार पर बातचीत करना एवं प्रतिक्रिया देना। ✓ प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों का जवाब देना। ✓ कविता में आये कठिन शब्दों का अर्थ शब्दकोश में ढूंढना। ✓ भाषा की बारीकियों को समझना।	✓ हाव–भाव के साथ एकल/छोटे समूह में कविता सस्वर गायन के अवसर हो। ✓ कविता को बच्चों के निजी जीवन से जोड़ना। जैसे– पुष्प की भांति बच्चों को भी कोई अभिलाषा बताने का अवसर हों। ✓ क्या समाज शक्तिशाली की ही पूजा करता है? विचार करें। ✓ पाठ में आए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखने संबंधी गतिविधि हों। ✓ दिनकर की अन्य रचनाएँ तथा राष्ट्रप्रेम संबंधी कविताओं का संकलन करवाया जा सकता है। ✓ पाठ में आए नए शब्दों को शब्दकोश में ढूंढ़े। ✓ उपसर्ग एवं प्रत्यय की समझ/प्रयोग के अवसर हों।	5 3

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ विभिन्न स्थानीय, सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दों/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ विभिन्न अवसरों, संदर्भों में कही जा रही दूसरे की बातों को अपने ढंग से कहते हैं	पाठ–7 साइकिल की सवारी (व्यंग्य–कथा) पाठ–15 ऐसे–ऐसे (एकांकी)	✓ पाठ के घटनाक्रम/पात्रों के विषय में अपनी राय देना। ✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से उतार–चढ़ाव के साथ बोलना। ✓ विराम चिह्नों को पहचानना एवं प्रयोग करना।	✓ पाठ को बच्चों के निजी जीवन से जोड़ना, जैसे– आपने साइकिल चलाना कैसे सीखा? ✓ पाठ के घटनाक्रम/पात्रों के बारे में बातचीत करने/प्रश्न पूछने एवं अपनी राय देने के अवसर हों। ✓ पाठ में प्रयुक्त विराम–चिह्नों की सूची बनवायी जा सकती है। ✓ वाक्य के विभिन्न भेद यथा सरल एवं मिश्र वाक्य की चर्चा की जा सकती हैं।	5 5
✓ विभिन्न अवसरों, संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से कह सकते हैं। ✓ गद्य की विभिन्न विधाओं, शैलियों से परिचित होते हैं एवं अपनी शैली में लिखते हैं। ✓ क्रमिक ढंग से विचारों की अभिव्यक्ति कर पाते हैं।	पाठ–8 बचपन के दिन (संस्मरण) पाठ–17 सोना (रेखाचित्र)	✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं मौखिक/लिखित प्रक्रिया देना। ✓ विभिन्न संवेदनशील मुद्दों पर तार्किक अभिव्यक्ति करना। ✓ विभिन्न व्याकरणिक इकाइयों को पहचानना एवं प्रयोग करना।	✓ बातचीत के द्वारा संस्मरण/रेखाचित्र के बारे में तार्किक अभिव्यक्ति करना। ✓ पाठ के द्वारा बच्चों के निजी जीवन से घटनाओं को जोड़ना। ✓ पशु–पक्षियों की सुरक्षा के प्रति जागरूक करना। ✓ अभ्यास प्रश्नों को हल कराने की प्रक्रिया में व्याकरणिक इकाइयों जैसे कारक, संज्ञा पर चर्चा करना। ✓ वर्ण एवं उसके भेद की चर्चा की सकती है।	5 5

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ अपने परिवेश में मौजूद लोक कथाओं एवं लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं। ✓ विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों को लाकगीतों में समझते हैं। ✓ बच्चे नए शब्दों को अपने संदर्भ में उपयोग करते हैं। ✓ लयबद्धता एवं आरोह–अवरोह के साथ गायन।	पाठ–6 गंगा स्तुति (कविता) पाठ–11 कबीर के दोहे (कविता)	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से बोलना। ✓ वाचन करना। ✓ कविता में निहित भाव को बताना। ✓ मानक शब्दों के अर्थ समझना।	✓ कविता को बच्चों के निजी जीवन से जोड़ना। जैसे– नदियों का हमारे जीवन में क्या महत्व हैं। ✓ कविता का हाव–भाव के साथ गायन करने के अवसर हों। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करने के अवसर, यथा– कवि गंगा से किस अपराध की क्षमा माँगता हैं ? ✓ कबीर के दोहों में व्याप्त समाज सुधारक पक्षों/उपदेशों पर चर्चा करवायी जा सकती है । ✓ पाठ में आये उपसर्ग एवं प्रत्यय का अभ्यास कराया जा सकता हैं।	2 2 2 1
✓ बच्चे पाठ के आधार पर बातचीत करते हैं एवं स्वतंत्र मौखिक/लिखित प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ बच्चे हाव–भाव के साथ कहानी पढ़ते हैं। ✓ बच्चे भाषा की बारीकियों को समझते हैं एवं प्रयोग करते हैं।	पाठ–2 नचिकेता (कहानी)	✓ हाव–भाव के साथ कहानी सुनाना। ✓ समझते हुए कहानी पढ़ना। ✓ अपने अनुभवों को अपनी शैली में लिखना। ✓ कहानी के घटनाक्रम एवं पात्रों के बारे में बातचीत करना एवं अपनी राय देना।	✓ हाव–भाव के साथ कहानी सुनाएँ एवं बच्चों को सुनाने का अवसर दें। ✓ कहानी के आधार पर बातचीत के अवसर हों, जैसे– नचिकेता क्यों दुखी हुआ ? ✓ खुले छोर वाले प्रश्न जैसे– अगर आपको तीन वर माँगने के लिए कहा जाय तो आप क्या माँगेंगे ? ✓ विभिन्न व्याकरणिक इकाइयों, यथा– पर्यायवाची शब्द, विपरीतार्थक शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द आदि के अभ्यास करने अवसर हों।	5

हिन्दी

लेखन

नाम	विद्यालय/संस्थान का नाम
आदित्य नाथ ठाकुर	माउंट एवरेस्ट एम0 एस0 कंकरबाग पटना
राजमंगल तीवारी	यू0 एम0 एस0 बखरीयाँ भोजपुर
बरसा कुमारी	राजकिय मध्य विद्यालय रामपुर मनेर
कुमारी सवीता	राजकिय बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय पटना
अजय कुमार	मध्य विद्यालय गोरखरी, बिक्रम, पटना
संध्या साही	प्रोजेक्ट बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सरमेरा नालन्दा
डॉ0 अंकिता कुमारी	महादेव उच्च माध्यमिक विद्यालय खुसरूपुर पटना
राजेश कुमार राजन	राज कुँवर विद्या मंदिर गोपालपुर, मनेर पटना
प्रशांत केतु	के0 के0 उच्च माध्यमिक विद्यालय लखनपुरा, पटना
अतुल कुमार	मध्य विद्यालय चौथी जिला कैमूर

अकादमिक सहयोग : राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार के संकाय सदस्य

- डा0 किरण शरण, सयुक्त निदेशक (डायट)–सह–विभाग प्रभारी भाषा एवं सामाजिक विज्ञान
- डा0 रशिम प्रभा, विभाग प्रभारी, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डा0 रीता राय, विभाग प्रभारी, अध्यापक शिक्षा विभाग
- डा0 वीर कुमारी कुजूर, विभाग प्रभारी शिक्षण शास्त्र, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन विभाग
- श्री राम विनय पासवान, विभाग प्रभारी, दूरस्थ शिक्षा विभाग
- डा0 स्नेहाशीष दास, विभाग प्रभारी, विद्यालयी शिक्षा विभाग
- डा0 राधे रमण प्रसाद, विभाग प्रभारी, शारीरिक कला एवं क्राफ्ट विभाग
- डा0 राजेन्द्र प्रसाद मंडल, विभाग प्रभारी, शोध, योजना एवं नीति विभाग
- श्री तेजनारायण प्रसाद, व्याख्याता, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डा0 अर्चना, विभाग, शिक्षा मनो विज्ञान विभाग
- श्री मती विभा रानी, समन्वयक जनसंख्या शिक्षा कोषांग
- श्री मती आभारानी, सम्प्रति व्याख्याता, एस0 सी0 ई0 आर0 टी0., पटना